

रेल रोकने का औचित्य

पंजाब-हरियाणा सीमा पर स्थित शंभू रेलवे स्टेशन में जारी किसानों के आंदोलन के चलते रेल यात्रियों को बिना किसी अपराध के सजा भुगतनी पड़ रही है। वहाँ दूसरी ओर रेलवे को भी भारी घाटा उठाना पड़ रहा है। पिछले एक सप्ताह से रोज 40 से 50 ट्रेनें रद्द की जा रही हैं। यात्रियों को ज्यादा समय व पैसा लगाकर अपने गंतव्य स्थानों तक जाना पड़ रहा है। रेलवे के पार्सल बुकिंग केंद्र में भी पचास फीसदी की कमी आने की बात बतायी जा रही है। इसमें दो राय नहीं कि किसानों की न्यायसंगत मांगों को पूरा किया ही जाना चाहिए। वे लंबे समय से आंदोलनरत रहे हैं। ऐसे में सत्ताधीशों का भी नैतिक दायित्व बनता था कि वे किसानों से बातचीत की टेबल पर बैठकर बात करते। जिससे सङ्कड़ व रेल यातायात बाधित भी नहीं होता। वैसे किसानों को भी आंदोलन करने से पहले देशकाल-परिस्थितियों का आकलन कर लेना चाहिए था। देश इस समय चुनावी मूड में है। कोई भी सरकार किसानों से जुड़े किसी मुद्दे पर बड़ा फैसला लेने में सक्षम नहीं है। किसानों को नये जनादेश का इंतजार करके किसान आंदोलन को दिशा देनी चाहिए थी। किसानों को देश व समाज के अहसासों का भी ध्यान रखना चाहिए। कल्पना कीजिए कि रेल यात्रा करने वाले लोगों को जब अचानक सूचना मिलती है कि उनकी ट्रेन रद्द हो गई है तो उन पर क्या बीतती होगी? लोग घंटों रेलवे टिकट बुकिंग केंद्रों पर खड़े होकर अपने लिये टिकट आरक्षित करवाते हैं। कई महीने पहले एडवॉन्स में रिजर्वेशन करवाना पड़ता है। फिर एक दिन यात्रा से ठीक पहले पता चलता है कि उनकी ट्रेन रद्द हो गई है। आंदोलनकारियों को सोचना चाहिए कि उस ट्रेन से कोई मरीज कहीं दूर उपचार हेतु जा रहा होगा। कहीं कोई बेरोजगार नौकरी के लिये साक्षात्कार देने जा रहा होगा। हो सकता है कि सही समय पर न पहुंच पाने के कारण कई छात्र परीक्षा या नौकरी पाने से वंचित हो गए होंगे। समय-समय पर देश की शीर्ष अदालत के मार्गदर्शक फैसले आते रहे हैं कि हमें किसी आंदोलन के नाम पर नागरिक जीवन को बंधक नहीं बनाना चाहिए। यदि आंदोलनकारियों के अधिकार हैं तो आम नागरिकों के भी अपने अधिकार हैं। एक पुरानी कहावत है कि जहाँ से दूसरे व्यक्ति की नाक शुरू होती है, वहाँ पर पहले व्यक्ति की आजादी खत्म हो जाती है। यानी हमारी किसी भी तरह की आजादी का मतलब किसी की आजादी का अतिक्रमण करना नहीं हो सकता। वैसे भी एक जिम्मेदार नागरिक के तौर पर भी हमें सोचना चाहिए कि यातायात के साधनों, वह चाहे बस हो या ट्रेन, के परिचालन में बाधा डालना एक अपराध जैसा है। ट्रेन को थामना देश के विकास के पहिये थामने जैसा ही है। हमारे कारोबार, जीवन व्यवहार, तीर्थाटन तथा सेना के आवागमन को गति देने वाली ट्रेनों को रोकना निस्संदेह, दुर्भाग्यपूर्ण ही है। निश्चित रूप से इसमें हमारे देश के नीति-नियंताओं को भी सोचना चाहिए कि आखिर क्यों किसानों को अपनी मांगें मनवाने के लिये रेल रोकने जैसे कदम उठाने पड़ रहे हैं। कहीं न कहीं हमारे सत्ताधीशों के व्यवहार में व्यास दंभ और किसानों की मांगों के प्रति संवेदनशीलता का अभाव भी इस तरह के आंदोलनों के लिये ईंधन का काम करता है। ऐसे हालात में किसानों को अभी अपने आंदोलनों के तौर-तरीकों को बदलना पड़ेगा। उन्हें हक है कि वे अपनी मांगों के समर्थन में आंदोलन करें। लेकिन उन्हें यह हक कदापि नहीं दिया जा सकता है कि वे देश के रेल तंत्र को ठप कर दें।

मा के आगन में चहकता गारया

लंबा इतजार के बाद कुछ दिन पहल हा मा के पास जाना भुजा। लंबा इंतजार इसलिए क्योंकि जाने की इच्छा होने के बाद भी स्वास्थ्य इजाजत नहीं दे रहा था। इसलिए मन मसोसकर दिन गिरही थी कि कब सब कुछ अनुकूल हो और मैं जाऊँ इसलिए जैसे ही परिस्थितियां सामान्य हुई मैंने आनन-फानन में टिकट बुक करवा लिया। वैसे भी मां के पास जाना समुराल में रह रही बेटी के लिए किसी त्योहार से कम नहीं होता। भले ही समुराल में किसी चीज की कमी न हो। फिर भी मां के आंगन में बेटियां चिढ़ियों-सी चहक उठती हैं। हर चिंता से दूर होकर। मन में सुख-दुख के द्वेरों किस्से होते हैं मां से साझा करने को। ऐसा ही कुछ अपना भी हाल था इसलिए जैसे ही दवाओं और चिकित्सकों के जंजाल से थोड़ी मोहलत मिली तो मैं भी उड़कर पहुंच गयी अपनी मां के अंगने में। जाते समय ही मैंने सारी प्लानिंग कर ली थी कि वहां देर तक सोऊंगी। यह करूंगी, वह करूंगी सोते समय मैंने रात में सबको सख्त हिदायत दे दी कि 'खबरदार जो किसी ने सुबह मेरी नींद तोड़ी।' मेरी धमकी सुनकर मां बस मुस्कुराती रही मेरे बचपने पर। शायद मांएं ऐसी ही होती हैं। इस दौर से गुजर चुकने के कारण उन्हें थाह रहती है बेटियों के मन की। उनके हर तरह की थकान की तानाव और कई रत्तगोंने ने मुझे नीम बेहोशी वाली नींद में पहुंचा दिया था। मैं इत्मीनान से तानकर सो गई कि सुबह नौ बजे के पहले हिलना नहीं है लेकिन यह क्या!! सुबह-सुबह एक शोर से नींद खुल गई। मन ही मन कोपत होने लगी मुझे कि रात की धमकी के बाद भी मेरी नींद तोड़ने की जुर्रत किसने की!! बगल में देखा तो बच्चे भी उठ चुके थे। घड़ी देखी तो सात बज रहे थे। मन ही मन हिसाब करने लगी कि आठ बजे तक तो सो ही सकती थी मैं खैर, आंखें माँचते हुए बाहर आई तो ठंडी हवाओं के झोंकों से दिमाग को थोड़ी ठंडक मिली। जिसके पॉजिटिव असर से आंखें थोड़ी और चौड़ी हो गई। अब सामने का नजारा बिल्कुल साफ दिखाई दे रहा था। बाहर आंगन में गौरैया अपने बड़े से द्युंग में चहचहा रही थी और मां तथा बच्चों द्वारा छींटे गए चावल चुन-चुन कर खा रही थी। सच में चकित रह गई। कुछ ही दिन पहले गौरैया दिवस पर उनके विलुप्त होने के दुख मनाते हुए सोशल साइट्स पर भर-भर कर लोगों को देखा था। और यहां तो उनकी पूरी फौज मौजूद थी। वो भी पूरी निश्चिंतता के साथ। यह किसी आश्चर्य से कम नहीं था। तब लगा कि सोशल साइट्स पर घड़ों आंसू बहाकर भी जिस लोक पक्षी के दर्शन हमें नहीं हो पाते थे। आज उनके शोर से यहां मेरी आंखें खुल गई। लगा की घड़ियाली आंसू से कहीं ज्यादा प्रेमपूर्वक छींटे गए ये चावल कीमती हैं। जिनका मोह गौरैयों को स्वतः ही मां के आंगन में खींच लाता है।

एआई के बारे में वैध
चिंताएं हैं, लेकिन
सकारात्मक बदलाव के
लिए इसकी क्षमता को
पहचानना महत्वपूर्ण है।
कुछ एआई-जनित
प्रौद्योगिकियों में हमारे
स्वतंत्र और निष्पक्ष
चुनाव कराने के तरीके
में क्रांतिकारी बदलाव
लाने की शक्ति है। जैसे-
जैसे इन तकनीकों को
व्यापक स्वीकृति मिलती
है, वे ई-चुनावों का मार्ग
प्रशस्त कर सकते हैं,
एक ऐसा भविष्य जहाँ
चुनाव ऑनलाइन
आयोजित किये जायेंगे।
2024 के लोकसभा
चुनावों में गेम-
चेंजरआर्टिफिशियल
इंटेलिजेंस (एआई) ने
पारंपरिक अभियान
रणनीतियों में क्रांति ला
दी है। पांच साल के
अंतराल के बाद
उम्मीदवारों द्वारा
व्यक्तिगत रूप से
मतदाताओं के घरों का
दौरा करने और चाह चाह
बातचीत करने के युग
का अन्त हो रहा है तथा
तकनीकी रूप से
अधिक उन्नत चुनाव
अभियान का मार्ग
प्रशस्त होता है।

संपादकीय

लहू बोलता भी है

ਲੋਕਚਾਰ ਪੁਨਾਵ 2024

A painting depicting a large crowd of people from behind, their figures silhouetted against a vibrant orange sky. Many individuals have their right hands raised in the air. On the far left, a person holds a flag with horizontal blue and white stripes. The style is painterly and expressive.

तो दूसरा आर वर्क के साथ बदलाव करन के लिए लचालापन भी है। इसलिए अगर इन आजादी और नागरिक होने के अधिकार को बचाकर रखना है, तो सबसे पहले संविधान को बचाना होगा। इंडिया गठबंधन के नाम से इस बार जो विपक्षी मोर्चा तैयार हुआ है, उसका उद्देश्य भी संविधान को बचाना ही है। इसलिए अपने सारे मतभेदों और स्वार्थों को किनारे करके, 28 दल इस बार एक साथ चुनाव लड़ने उतरे हैं। इन सभी दलों के अलग-अलग घोषणापत्र हैं, मगर सबके मूल में संविधान की रक्षा और जनता को न्याय दिलाने की भावना दिखाई दे रही है। भाजपा इंडिया गठबंधन के बाकी दलों की चर्चा तो नहीं करती, लेकिन कांग्रेस के घोषणापत्र की चर्चा अब भाजपा के हार में से हो रही है। भाजपा के सबसे बड़े स्टार प्रचारक नरेन्द्र मोदी ने कांग्रेस का न्यायपत्र नाम से जारी घोषणापत्र पर पहले दिन से ही हमला शुरू कर दिया। सबसे पहले उन्होंने इसे मुस्लिम लीग की छाप वाला घोषणापत्र कहा। यह दांव कठूल दिन श्री मोदी चलते रहे लेकिन इससे कांग्रेस को ही लाभ मिलने लगा। कर्योक्रिक लोगों ने कांग्रेस के घोषणापत्र को और ध्यान से पढ़ना शुरू कर दिया कि इसमें ऐसे कौन से मुद्दे हैं, जिनमें मुस्लिम लीग की छाप नजर आ रही है। मगर नरेन्द्र मोदी जैसी नज़रें जनता को नहीं मिली, इसलिए वो मुस्लिम लीग का म इस घोषणापत्र में नहीं ढूँढ़ पाई। इसके बाद श्री मोदी ने दूसरे म का दांव चला, इस बार उन्होंने मंगलसूत्र को अपना तथियार बनाया। राजस्थान के बांसवाड़ा में हुई रैली में श्री मोदी ने जनता को बताया कि कांग्रेस की नजर आपकी संपत्ति पर है।

राम का छाप वाला घोषणापत्र कहा। यह दांव कुछ दिन श्री मोदी चलते रहे, लेकिन इससे कांग्रेस को ही लाभ मिलने लगा। क्योंकि लोगों ने कांग्रेस के घोषणापत्र को और ध्यान से पढ़ना शुरू कर दिया कि इसमें ऐसे कौन से मुद्दे हैं, जिनमें मुस्लिम लीग की छाप नजर आ रही है। मगर नरेन्द्र मोदी जैसी नजरें जनता को नहीं मिली, इसलिए वो मुस्लिम लीग का म इस घोषणापत्र में नहीं ढूँढ़ पाई। इसके बाद श्री मोदी ने दूसरे म का दांव चला, इस बार उन्हान मंगलसूत्र का अपना हाथरायर बनाया। राजस्थान के बांसवाड़ा में हुई रैली में श्री मोदी ने जनता को बताया कि कांग्रेस की नजर आपकी संपत्ति पर है और माताओं-बहनों के मंगलसूत्र को भी कांग्रेस छीन लेगी और जिनके ज्यादा बच्चे होते हैं, यानी मुसलमान उनमें बाट देगी। आचार सहिता के लिहाज से झूठ और नफरत वाले बयान देने के कारण श्री मोदी पर चुनाव आयोग को कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए थी। लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ, इसके बाद अलागड़ म श्री मादा न फिर इसी तरह का बयान दिया और उस बाद राजस्थान में फिर से कांग्रेस घोषणापत्र, मंगलसूत्र, हुनराम चालीस पढ़ने की आजादी, रामनवमी मनाने व छूट इन सबको लेकर नफरत व रिकार्ड उलट-पुलट कर बजाना जरूरी रखा। चुनाव आयोग के पास कांग्रेस समेत कई दलों ने शिकायतें दर्ज की लेकिन सब व्यर्थ ही है, क्योंकि मोदी पर कोई अंकुश लग ही नहीं रखा है। मंगलसूत्र छीनने का डर दिखावा

त्री मोदी ने महिलाओं के साथ भावनात्मक खेल खेलने की कोशिश की है। हालांकि इस बार भी म नाम का दाव उन पर उटा पड़ रहा है। क्योंकि इस देश की हजारों महिलाओं के मंगलसूत्र पहले नोटबंदी में छीन लिए गए, फिर कोरोना की मार से जब हजारों गृहस्थियां उजड़ गईं, तब मंगलसूत्र छीने गए। पुलवामा हमला या चीन की घुसपैठ की घटनाओं में सैनिक शहीद हुए और उनकी पत्नियों के मंगलसूत्र छीने गए। किसान आंदोलन के दौरान या कर्ज के बोझ के कारण जिन किसानों की जानें गईं, तब उनकी पत्नियों के मंगलसूत्र छीने गए। इस तरह दस साल में एक बार नहीं, बार-बार महिलाओं को इस दर्द से गुजरना पड़ा और अब नरेन्द्र मोदी उस पर माफी मांगने, अफसोस जताने या मलहम लगाने की जगह डरा रहे हैं कि कांग्रेस की सरकार आई तो मंगलसूत्र भी नहीं बचेंगे। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने श्री मोदी के इस दाव का जवाब देते हुए कहा कि मेरी दादी ने युद्ध के दौरान अपने जेवर दे दिए, मेरी मां का मंगलसूत्र इस देश के लिए कुर्बान हुआ। इस करारे जवाब के बाद भाजपा को बचाव का कोई रस्ता नहीं सूझा तो उसकी ट्रोल आर्मी के लोग साशल मीडिया पर राजीव गांधी की शहादत का मखौल उड़ाने लगे। सोनिया गांधी की वे तस्वीरें जारी की जा रही हैं, जहां वे राजीव गांधी के साथ हैं, लेकिन उन्होंने मंगलसूत्र नहीं पहना है। प्रियंका गांधी की भी बिना मंगलसूत्र पहने तस्वीरें जारी हो रही हैं और उनसे हिंदू होने का प्रमाण मांगा जा रहा है। यह सब एक तरफ भाजपा की अपने विरोधियों के लिए अपमानभरी निकृष्ट सोच का परिचायक है, तो दूसरी तरफ जनता को कठपुतलियों की तरह इस्तेमाल करने वाली मानसिकता का प्रदर्शन भी है। क्योंकि चुनावों में मुद्रे जनता के सरोकारों वाले होने चाहिए। शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, कृषि, सड़कें, पुल-पुलिया, यातायात, पक्के मकान, साफ-सुथरी सड़कें, नालियां, बिजली, सस्ता और अच्छा अनाज, लैंगिक समानता, काम के अवसर, उद्योग धंथों का विकास, सुरक्षित माहौल, कानून व्यवस्था, पर्यावरण संरक्षण, प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा, त्वरित न्याय ऐसे कई मुद्रे हैं, जिन पर निरंतर काम करने की जरूरत है।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस 2024 में चुनाव प्रचार का एक प्रमुख उपकरण

- कर्णपाणी शक्ति

सकते हैं, और एआई चुनाव धोखाधड़ी को रोक सकता है और राजनीतिक विज्ञापन अभियान में वित्त सम्बंधी नियमों के उल्लंघन को नियंत्रित कर सकता है। राजनीतिक दल अब व्यक्तिगत मतदाताओं के लिए अपनी कॉल को अनुकूलित कर सकते हैं, जिससे संभावित रूप से उनके विरोधियों की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंच सकता है। भारत में 50 फीसदी से अधिक आबादी इंटरनेट का उपयोग करती है, जो 2025 तक बढ़कर 900

मिलियन हो सकती है। भारत में आगामी चुनाव से 500 करोड़ रुपये का बाजार उत्पन्न होने की उमीद है। राजनीतिक दल सोशल मीडिया के माध्यम से मतदाताओं तक पहुंचने के लिए एआई का उपयोग कर रहे हैं। कांग्रेस और भाजपा ने पिछले साल के राज्य चुनावों में एआई का इस्तेमाल किया, तथा पहली बार राजनीतिक प्रचार में झूटे वीडियो और पैरेडी का इस्तेमाल किया गया। भाजपा, कांग्रेस, आप, डीएम्स और एआई-डीएम्स के लिए एआई तकनीक का इस्तेमाल करती है। उदाहरण के लिए, भाजपा एम्स मोदी के भाषणों का आठ क्षेत्रों में अनुवाद करने के लिए एआई का उपयोग करती है। हालांकि कुछ प्रचारक गलत सूचना फैलाने के लिए डीपफेक सहित एआई-जन वीडियो का दुरुपयोग करते हैं। वीडियो 18-25 आयु वर्ग को लक्षित हैं और व्हाट्सएप जैसे प्लेटफॉर्म का साझा किये जा रहे हैं। भारत

राजनीतिक पाटिया भवताता का प्रभावित करने के लिए विभिन्न उपकरणों का उपयोग करती हैं। वे सोशल मीडिया लेटरफॉर्म पर फर्जी तस्वीरें और वीडियो शेयर करते हैं। उदाहरण के लिए, कांग्रेस पार्टी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की एक मॉफट तस्वीर साझा की। वहाँ दूसरी ओर भाजपा ने इंस्टाग्राम पर राहुल गांधी का झूठा वीडियो पोस्ट किया। तमिलनाडु में डीएमके और एआईएडीएमके पार्टियों ने इस चुनाव में मतदाता समर्थन के लिए अपने मृत नेताओं की रिकॉर्डिंग का इस्तेमाल किया। एक वीडियो में एआईएमआईएम पार्टी के नेता असुदीन ओबेरी को हिंदू भक्ति गीत गाते हुए दिखाया गया है। अखिलेश यादव, नवीन पटनायक और ममता बनर्जी जैसे क्षेत्रीय नेताओं ने भी मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए इसी तरह के उपकरण लागू किये। दुर्भावनापूर्ण उद्देश्यों के लिए एआई का उपयोग एक महत्वपूर्ण चिंता का विषय है। उत्रत एआई के साथ, मतदाताओं या उम्मीदवारों सहित किसी का भी प्रतिरूपण करना संभव हो गया है, जिससे पहचान की चोरी हो सकती है और चुनावी प्रक्रिया में हेरफेर हो सकता है। यह निष्पक्ष और पारदर्शी चुनावी प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए स्पष्ट नियमों की आवश्यकता को रेखांकित करता है, जिससे दर्शकों को संभावित जोखियों और उन्हें संबोधित करने के महत्व के बारे में अधिक जानकारी मिलती है, जिससे सरकार की भावना पैदा होती है। राजनीतिक अभियानों में एआई का उपयोग गोपनीयता और अनुचित प्रतिस्पर्धा और गलत सूचना की संभावना के बारे में वैध चिंताएं पैदा करता है। सरकारों को निष्पक्षता को बढ़ावा देने के लिए एआई के उपयोग को विनियमित करने में अग्रणी भूमिका निभानी चाहिए। आईटी मंत्री ने पहले ही सोशल मीडिया कंपनियों को चेतावनी जारी कर दी है, जिससे दर्शकों में चुनावी प्रक्रिया की सुरक्षा और अखंडता के बारे में विश्वास पैदा हुआ है। चुनाव आयोग को 2024 के लोकसभा चुनावों के लिए एआई-जनित जानकारी को विनियमित करने के लिए स्पष्ट दिशानिर्देश जारी करने चाहिए।



बांदा-ग्राम भरखरी में मतदाता जागरूकता रैली निकाली गयी। स्थानीय स्वीप प्रभारी प्रधानाध्यापक ब्रजेश द्विवेदी के नेतृत्व में उच्च प्राथमिक विद्यालयों के बच्चों ने नारे लगाते हुए रैली निकाली। संगीत के साथ जगह-जगह मतदाता जागरूकता के नारे लगाए गए। 20 मई दिन सोमवार को शत प्रतिशत मतदान करने को प्रेरित किया। कानूनों प्रमोट पांडेय ने नारा लगाया कि आपका बोट आपकी ताकत है। ग्राम पंचायत अध्यक्ष गणेश सिंह ने सभी से मतदान की अपील की। उच्च प्राथमिक विद्यालय भरखरी प्रधानाध्यापक ब्रजेश कुमार, हल्का लेखपाल, शिक्षक-शिक्षिकाएं आदि मौजूद रहे।

आग से अलग-अलग स्थानों पर लाखों का नुकसान

बांदा-जनपद के ग्राम बाघा, तहसील अर्टारी निवासी समाजसेवी रामस्वरूप तिवारी के बाड़े में आग लगने से जान माल का नुकसान हुआ है। उन्होंने बताया कि दो भैंस व एक गाय की आग में जलकर



बांदा। लोक सभा सामान्य निर्वाचन-2024 के लिए निर्वाचन आयोग के द्वारा नियुक्त किये गये 48-बांदा संसदीय निर्वाचन क्षेत्र के व्यय प्रेक्षक सब्यासांची चक्रवर्ती की अध्यक्षता में निर्वाचन व्यय से जुड़े नोडल अधिकारियों की

बताया कि निर्वाचन व्यय से संबंधित किसी समस्या को उनके मोबाइल नम्बर 9794040809 पर सूचना दी जा सकती है। इससे पूर्व उन्होंने कलेक्टरेट में स्थापित किये गये डिस्ट्रिक्ट कंट्रोल सेंटर (डीसीसी) /सी-विजल एवं शिकायत अनुबीक्षण नियंत्रण कक्ष एवं कॉल सेंटर, मीडिया सर्टिफिकेशन एण्ड मॉनीटरिंग कमेटी (एमसीसी) सेल का निरीक्षण का निरीक्षण किया। बैठक एवं निरीक्षण के समय अपर जिलाधिकारी, उप जिला निर्वाचन अधिकारी, कोषाधिकारी, नोडल अधिकारी व्यय अनुबीक्षण सहायक व्यय अधिकारियों को संपादित करने की तैयारियों की समीक्षा की।

25 लीटर शराब बरामद

बांदा-पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में थाना कालिंजर पुलिस को रात्रि गश्त एवं चेकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना पर कटरा कालिंजर से सहीबूद्धि नुस्खे रहीं थीं। इसी तरह बड़ों खुर्खुर्द ब्लाक के ग्राम अरबी में विजयपाल सिंह उर्फीरेंद्र सिंह के खेत में निजी नलकूप में आग लग गयी। उन्होंने बताया

कि विद्युत कनेक्शन में शार्ट सर्किट से आग लगी। दूधबबल में बने झोपड़ीनुमा घर में रखा

15 किंटल गेहूं, 21 प्लास्टिक पाइप 4 इंची व लकड़ी के तख्त 3, ढोपी खाद 6 बारी, जिक खाद 9 पैकेट, पेट्रोलियम मरीन 2 स्प्रे बाली, पंखा 1, सबमर्सिल पंप जलकर बोर के अंदर गिरकर ध्वस्त हो गया है।

सूचना पर पहुंची दमकल गाड़ी ने आग पर काबू पाया।

राजस्ट्रार कानूनों प्रमोट पांडेय व हल्का लेखपाल ने मौका मुआवना कर लगभग तीन लाख रुपये की क्षति के आकलन की बात कही है।

पीड़ित किसान ने जिलाधिकारी से मुआवजा की मांग की है।

एआरटीओ कार्यालय में व्याप भ्रष्टाचार में सलिल भ्रष्टाचारियों के विरुद्ध कार्यवाही न होने से आम जनमानस के बीच पनप रहा है गुस्सा

ओमजी पाठक, अकिंचन, लोकजन संदेश कानपुर देहात में एक ऐसा भी सरकारी कार्यालय है जहां पर पूरी इमानदारी के साथ खुलेआम प्रत्येक कार्य दिवस में संचालित हो रही है भ्रष्टाचार की दुकान इस कार्यालय के जिम्मेदारी का साहस तथा उपरोक्त कार्यालय पर सक्रिय दलालों का वर्चस्व उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ जी की सरकार द्वारा चलाए जा रहे भ्रष्टाचार के विरुद्ध अभियान पर सवालिया निशान लगा रहा है। भरोसेमंद सूत्रों के हवाले से प्राप्त जानकारी के आधार पर... जनपद कानपुर देहात के अकबरपुर कस्बे में अकबरपुर एवं सिकंदरा राष्ट्रीय राजमार्ग की ठीक किनारे स्थित उप संभागीय परिवहन अधिकारी प्रशासन कानपुर देहात प्रशासन जी तिवारी के कार्यालय में उनकी यहां तैनाती होने के बाद भ्रष्टाचारियों ने अपनी दुकानों का संचालन खुलेआम करना शुरू कर दिया यहां अपना काम लेकर आने वाले लोगों का यह आरोप है कि उपरोक्त कार्यालय में बिना रिश्वत दिए हुए कोई काम नहीं हो रहा है वही उपरोक्त कार्यालय में सक्रिय करीब पांच दर्जन से अधिक दलालों द्वारा खुलेआम दलाली जैसे घृणित व्यवसाय को यहां काम लेकर आने वाले अपने ही भाई का उपरोक्त कार्यालय से संबंधित कार्य करने के बदले अधिक शोषण करके उपरोक्त

उपरोक्त कार्यालय के परिसर में बने सारथी भवन में लाइसेंस अनुभाग में बांग्रें एवं अंजीत यादव तथा अंकित शुक्ला द्वारा अपने आप के भाजपा की एक विधायक का करीबी होना बताकर ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने के लिए आने वाले अभ्यार्थियों पर अपना रुतबा गांठ करके उससे लाइसेंस बनवाने के नाम पर खुलेआम रिश्वत ली जा रही है.... वहीं उपरोक्त कार्यालय में प्रत्येक कार्य दिवस में फिटनेस के लिए आने वाले वाहनों के स्वामियों से फिटनेस के नाम पर रिश्वत की धनराशि खुलेआम वसूली जा रही है.... अब देखना यह है कि जनपद कानपुर देहात के जिम्मेदार अधिकारी बृन्दावन का यहां भाई का उपरोक्त कार्यालय से संबंधित कार्य करने के बदले

लोकजन संदेश/पुष्णेन्द्र कुमार कानपुर देहात कशी लोकसभा के रसूलाबाद विधानसभा में रोड शो करने के लिए शनिवार को सपा राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिले शयाद दोपहर 11 बजे

मरहताबाद हवाई पट्टी पहुंचे।

वहां पर कार्यकर्ताओं का भारी भीड़ देख बस के ऊपर से संबोधन करते हुए कार्यकर्ताओं में जोश भरा। सपा की उपलब्धियों गिनाने के साथ भाजपा सरकार पर निशाना

मरहताबाद हवाई पट्टी पहुंचे।

वहां पर कार्यकर्ताओं का भारी भीड़ देख बस के ऊपर से संबोधन करते हुए कार्यकर्ताओं में जोश भरा। सपा की उपलब्धियों गिनाने के साथ भाजपा सरकार पर निशाना

मरहताबाद हवाई पट्टी पहुंचे।

वहां पर कार्यकर्ताओं का भारी भीड़ देख बस के ऊपर से संबोधन करते हुए कार्यकर्ताओं में जोश भरा। सपा की उपलब्धियों गिनाने के साथ भाजपा सरकार पर निशाना

मरहताबाद हवाई पट्टी पहुंचे।

वहां पर कार्यकर्ताओं का भारी भीड़ देख बस के ऊपर से संबोधन करते हुए कार्यकर्ताओं में जोश भरा। सपा की उपलब्धियों गिनाने के साथ भाजपा सरकार पर निशाना

मरहताबाद हवाई पट्टी पहुंचे।

वहां पर कार्यकर्ताओं का भारी भीड़ देख बस के ऊपर से संबोधन करते हुए कार्यकर्ताओं में जोश भरा। सपा की उपलब्धियों गिनाने के साथ भाजपा सरकार पर निशाना

मरहताबाद हवाई पट्टी पहुंचे।

वहां पर कार्यकर्ताओं का भारी भीड़ देख बस के ऊपर से संबोधन करते हुए कार्यकर्ताओं में जोश भरा। सपा की उपलब्धियों गिनाने के साथ भाजपा सरकार पर निशाना

मरहताबाद हवाई पट्टी पहुंचे।

वहां पर कार्यकर्ताओं का भारी भीड़ देख बस के ऊपर से संबोधन करते हुए कार्यकर्ताओं में जोश भरा। सपा की उपलब्धियों गिनाने के साथ भाजपा सरकार पर निशाना

मरहताबाद हवाई पट्टी पहुंचे।

वहां पर कार्यकर्ताओं का भारी भीड़ देख बस के ऊपर से संबोधन करते हुए कार्यकर्ताओं में जोश भरा। सपा की उपलब्धियों गिनाने के साथ भाजपा सरकार पर निशाना

मरहताबाद हवाई पट्टी पहुंचे।

वहां पर कार्यकर्ताओं का भारी भीड़ देख बस के ऊपर से संबोधन करते हुए कार्यकर्ताओं में जोश भरा। सपा की उपलब्धियों गिनाने के साथ भाजपा सरकार पर निशाना

मरहताबाद हवाई पट्टी पहुंचे।

वहां पर कार्यकर्ताओं का भारी भीड़ देख बस के ऊपर से संबोधन करते हुए कार्यकर्ताओं में जोश भरा। सपा की उपलब्धियों गिनाने के साथ भाजपा सरकार पर निशाना

मरहताबाद हवाई पट्टी पहुंचे।

वहां पर कार्यकर्ताओं का भारी भीड़ देख बस के ऊपर से संबोधन करते हुए कार्यकर्ताओं में जोश भरा। सपा की उपलब्धियों गिनाने के साथ भाजपा सरकार पर निशाना

मरहताबाद हवाई पट्टी पहुंचे।

वहां पर कार्यकर्ताओं का भारी भीड़ देख बस के ऊपर से संबोधन करते हुए कार्यकर्ताओं में जोश भरा। सपा की उपलब्धियों गिनाने के साथ भाजपा सरकार पर निशाना

मरहताबाद हवाई पट्टी पहुंचे।

वहां पर कार्यकर्ताओं का भारी भीड़ देख बस के ऊपर से संबोधन करते हुए कार्यकर्ताओं में जोश भरा। सपा की उपलब्धियों गिनाने के साथ भाजपा सरकार पर निशाना

मरहताबाद हवाई पट्टी पहुंचे।

वहां पर कार्यकर्ताओं का भारी भीड़ देख बस के ऊपर से संबोधन करते हुए कार्यकर्ताओं में जोश भरा। सपा की उपलब्धियों गिनाने के साथ भाजपा सरकार पर निशाना

मरहताबाद हवाई पट्टी पहुंचे।

वह

डीजीपी हरियाणा शत्रुजीत कपूर के आदेशों की पालना में ऑपरेशन आक्रमण के तहत जीन्द पुलिस को मिली बड़ी कामयाबी, 58 टीमें नियुक्त करके, अलग-अलग मामलों में 40 आरोपियों को किया काबू



(लोकजन संदेश/सुमित्रा
गर्ग) जींद
पुलिस महानिदेशक श्री
शत्रुघ्नी कपूर के आदेशानुसार
शनिवार को जिला जीनद में
ऑपरेशन आक्रमण के तहत 58

में नियुक्त करके, अलग-
लग मामलों में 40 आरोपियों
को किया काबू करके 30
मामले दर्ज किए गये पुलिस
धीक्षक कार्यालय से मिली
नकारी के अनसार जिला

प्रतिबंधित दवाओं सहित एक आरोपी को किया काबू, रेलवे स्टेशन जींद
के पास से 864 (वजन 648 ग्राम) प्रतिबंधित कैप्सूल बरामद

(सुमित गर्ग) जींद पुलिस अधीक्षक जींद सुमित कुमार द्वारा नशे के खिलाफ चलाए विषेष अभियान के तहत उनके मार्गदर्शन में कार्य करते हुए सीआईए स्टाफ जीन्द ने इंचार्ज मनीष कुमार के कुशल नेतृत्व में प्रतिबंध दवाइयों बेचने वालों पर शिकंजा कसते हुए रेलवे स्टेशन जींद के पास से एक आरोपी को 864 प्रतिबंध कैप्सूल सहित पकड़ने में कामयाबी हासिल की है पकड़े गए कैप्सलों का वजन 648 ग्राम मिला। पकड़े गए आरोपी की पहचान दीपक उर्फ दीपू वासी हकीकत नगर जींद के रूप में हुई है। सीआईए इंचार्ज मनीष कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि सीआईए स्टाफ जीन्द की टीम अपराधों की रोकथाम व नशे पर अंकुश लगाने के लिए पटियाला चैक जींद पर मौजूद थी तभी एएसआई सुरेंद्र को गुस्सा सूचना मिली कि दीपक उर्फ दीपू वासी हकीकत नगर जींद प्रतिबंधित नशीली दवाइयां दिल्ली से लाकर

जींद में बेचने का काम करता है। जिस सूचना पर रेडिंग पार्टी तैयार करके रेलवे स्टेशन जीन्द से आने-जाने वाले व्यक्तियों की निगरानी की गई। जो कुछ समय के बाद जीन्द रेलवे स्टेशन की तरफ से मिली जानकारी के हुलिए का एक व्यक्ति आता दिखाई दिया। जिसके दाहिने हाथ में एक काले रंग का पॉलीथिन था। सामने पुलिस की गाड़ी को देखकर वापिस रेलवे स्टेशन की तरफ जाने लगा तभी कछ ही दूरी पर उसे काबू कर लिया। आरोपी के हाथ में लिए काले रंग के पॉलीथिन को खोलकर चेक किया तो उसमें Hydrochloride Tramadol Hydrochloride Acetaminophen Capsules के 108 पत्ते (कुल 864 कैप्सूल) बरामद हुए। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस अधिनियम के तहत मामला दर्शाकरके आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी को गिरफ्तार करके जिला जेल जीन्द में भेज दिया है।

पर उसे काबू कर लिया। आरोपी के हाथ में लिए काले रंग के पॉलिथिन को खोलकर चेक किया तो उसमें Hydrochloride Tramadol Hydrochloride Acetaminophen Capsules के 108 पते (कुल 864 कैप्सूल) बरामद हुए। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस अधिनियम के तहत मामला दर्ज करके आरोपी को गिरफतार कर लिया है। आरोपी को गिरफतार करके जिला जेल जीन्द में भेज दिया है।

सीआईए जुलाना की टीम ने शराब तस्करों के खिलाफ कार्यवाही करते हुए फरमाना रोड पर जुलाना से छापामारी के दौरान लगभग 15 बोतल अवैध देसी शराब के साथ एक आरोपी को काबू किया गया है। पकड़े गए आरोपी की पहचान पुष्टेंद्र वार्सा मालवी रूप में हुई है पुलिस प्रवक्ता जींद ने जानकारी देते बल्लाया की हमारी टीम अपराधों की रोकथाम के लिए मालवी के नजदीक मौजूद थी कि उसी वक्त एसआई संदीप को गुरु सूचना मिली की पुष्टेंद्र वासी मालवी अवैध शराब बेचने का धंधा करता है जिस सूचना पर टीम ने काबू कर लिया उसके लिए हुए प्लास्टिक कट्टे को चैक किया तो कटा प्लास्टिक में 15 बोतल शराब मार्का जगाधरी नंबर 1 देसी शराब मिली आरोपी शराब बारे कोई लाइसेंस व परमिट पेश नहीं कर सके जिस पर आरोपी के खिलाफ जुर्म जैर धारा 61-4-2020 आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया।

आत्महत्या के लिए मजबूर करने
के आरोपी पति को पुलिस ने
किया गिरफ्तार

(सुमित गर्ग) जींद
थाना सदर जीन्द के अन्तर्गत गांव किनाना में हुए एक मामले में
कार्यवाही करते हुए थाना सदर जीन्द प्रभारी उपनिरीक्षक
सत्यनारायण ने एक आरोपी को आत्महत्या के लिए मजबूर करने
के जुर्म में गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए व्यक्ति की
पहचान कृष्ण वासी किनाना जिला जीन्द के रूप में हुई है।
जानकारी देते हुए थाना प्रभारी सत्यनारायण ने बताया कि
18.08.2023 को सदर थाना जीन्द में सूचना मिली कि फांसी
लगाने के कारण किनाना गांव की एक महिला की मौत हो गई
है। जिस पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने मृतक महिला के
पिता रामस्वरूप वासी बाहर के बयान पर महिला के पति सहित
समुख वालों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया गया।
उन्होंने बताया कि मामले की जांच के दौरान व पोस्टमार्टम
रिपोर्ट के मुताबिक मामला आत्महत्या का पाया गया। महिला
की हत्या होने बारे कोई साक्ष्य सामने नहीं आए। साक्ष्यों के
आधार पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने महिला के पति कृष्ण
वासी किनाना जिला जीन्द को हत्या के लिए उकसाने के जुर्म में
गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी को गिरफ्तार करके अदालत
के आदेश पर जिला जेल जीन्द भेज दिया है।

साकिंब खान ने बटाया क्षेत्र का मान

दैनिक लोकजन
संदेश
बल्दीराय मुल्तानपु
राष्ट्रीय परीक्षण
एजेंसी(एनटीए)
इंजीनियरिंग प्रवेश
परीक्षा जेईई-मेन सत्र
2 के लिए रिजल्ट
की घोषणा कर दर्ता
गई है जेईई मेंस सत्र
2 रिजल्ट 2024 में
बल्दीराय विकास
शेत्र के किसान

A head-and-shoulders portrait of a young man with dark, curly hair and a well-groomed mustache. He has a neutral expression and is looking directly at the camera. He is wearing a dark-colored, long-sleeved button-down shirt with thin, light-colored vertical stripes. The background is plain white.

सुनील खान के पुत्र साकिब खान ने 93.20 स्कोर प्राप्त करने वाले लिस्ट में साकिब खान का नाम भी है जो कि बल्दीराय क्षेत्र के गौरा बरामऊ के निवासी हैं जेर्इ-मेंस की लिस्ट में अपना नाम दर्ज कर जिले व क्षेत्र में परचम लहराया आप को बताते चलें कि साकिब बचपन से ही होनहार रहा हाईस्कूल में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर इंटर की परीक्षा में स्कूल टॉप किया था। साकिब ने बताया कि मैं ने बिना कोचिंग किये इस उपलब्धि को हासिल किया। इस उपलब्धि का श्रेय उन्होंने अपनी माता पिता व चाचा आरिफ के साथ साथ गुरुजनों को दिया। उनके इस उपलब्धि से घर परिवार वाले एक दूसरे को मुंह मिठा कर खशियां मनाई।

A collage of two images. The top image shows a large crowd of people gathered on a road, some holding sticks or sticks. The bottom image shows a severely damaged, burnt-out car with thick smoke billowing from its front end.

आग लग गई। चालक ने कूदकर जान बचाई। आसपास के लोगों की सूचना पर पहुंचे दमकल कर्मियों ने आग बुझाया, लेकिन तब तक पूरी गाड़ी जलकर राख हो गई। नानपारा को तवाली क्षेत्र के भवनियापुर रामगढ़ी में शनिवार को दोपहर में चलती सफारी में अचानक आग लग गई। वाहन में आग देख चालक ने कूद कर बचाई जान। चलती गाड़ी में आग लगने से अफरा तफरी मच गई। जानकारी के अनुसार दुर्गापुर गांव निवासी अतीक अहमद पुत्र अयूब अंसारी अपने निजी काम से नानपारा शंकरपुर की ओर जा रहे थे। वह भावनियापुर रामगढ़ी पहुंचे थे कि इंजन से धुंआ उठता दिखाई दिया, वह कुछ समझ पाते तब तक आग की लपटे उठने लगी। किसी तरह खुद को कूदकर बाहर निकाला और सूचना दमकल कर्मियों व पुलिस को दी। मौके पर पहुंचे दमकल कर्मियों ने आग पर पाया काबू प्रभारी निरीक्षक राकेश कुमार सिंह ने बताया कि घटना मे कोई हताहत नहीं हुआ है। चालक अकेले थे, वह निजी काम से शंकरपुर जा रहे थे वाहन को रास्ते से हटवा दिया गया है। आवागमन सामान्य है।



दैनिक लोकजन संदेश
सुलतानपुर द्वारा दिये गये
निर्देश के क्रम में सहायक त्रम
आयुक्त मधुबन राम द्वारा
शाहगंज लेबर चौराहे पर तथा
अधिग्राही धौंटैयों पिथृपुर ईट-

भट्टों पर बढ़ती धूप, गर्मी एवं लू से बचाव हेतु जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया तथा श्रमिकों को यह परामर्श दिया गया कि दिन में बाहर निकलते समय परे बॉह यथासम्भव समय का सदुपयोग करते हुए भयंकर धूप व लू के समय श्रमिकों से कार्य लेने से बचा जाय तथा कार्यस्थल पर समुचित छाया एवं शुद्ध पेयजल की व्यवस्था अवश्य की जाय।

(Continued from back cover)

राष्ट्रीय आय एवं योग्यता की छात्रवृत्ति परीक्षा में मिहींपरवा से दो दर्जन छात्र सफल

मिहींपुरवा ब्लाक से
लगभग 23 बच्चे
सफल हुए हैं। इस
बात की जानकारी
राष्ट्रीय शैक्षिक
महासंघ मिहींपुरवा के
अध्यक्ष शिक्षक

मिहींपुरवा/ बहराइच बच्चे
भारती, ज़की सिद्धीकी। विकास
खण्ड मिहींपुरवा के परिषदीय
उच्च प्राथमिक विद्यालयों के
छात्र-छात्राओं ने राष्ट्रीय आय
एवं योग्यता आधारित 2024की
परीक्षा में सम्मिलित हुए थे 2
निम्न पार्ट मिलाए आये थे

सगीर अंसारी ने दी। सचिव
परीक्षा नियामक प्राधिकारी उत्तर
प्रदेश प्रयागराज द्वारा आयोजित
कराई गई राष्ट्रीय आय एवं
योग्यता आधारित छात्रवृत्ति
परीक्षा का परिणाम दो दिन
पूर्व जारी किया था, जिसमें
शिक्षा क्षेत्र मिहींपुरवा के

विभिन्न परिषदीय उच्च प्राथमिक विद्यालयों से लगभग दो दर्जन छात्र छात्राओं ने सफलता प्राप्त की है। बच्चों की इस सफलता पर मिहींपुरवा के खण्ड शिक्षा अधिकारी डॉ अजीत कुमार सिंह व राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ मिहींपुरवा अध्यक्ष शिक्षक सगीर अंसारी ने विभिन्न विद्यालयों के शिक्षकों एवं सभी बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए ढेर सारी शुभकामनाएं दी।

क्या है राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित छात्रवक्ति

योजना ?
 आपको बता दें राष्ट्रीय आवश्यकता एवं योग्यता आधारित परीक्षा में सफल होने वाले छात्र-छात्राओं को कक्षा 9 से कक्षा 12 तक शिक्षण व्यवस्था के मजबूत बनाने के लिए ?100 प्रतिमा की दर से लगभग 4 वर्षों में 48000 दिए जाते हैं छात्रवृत्ति परीक्षा में मिहींपुरवा शिक्षा क्षेत्र के सभी सफल छात्राओं पर एक नज़र पायल शुक्ला, प्रियांशी यादव, नीरा अंकित आर्किर्षि

गौतम , करीना सिंह, राधिका
सुरभि, पारस, आयुष, अरुण
दीपक, दुर्गेश, सूरज, खुशबू
आयुष, अंजलि, मिथिला
कुमार, अधिष्ठेक कुमार, ज्यो
गौतम, महक, सत्य प्रकाश
अरुण कुमार राष्ट्रीय शैक्षिक
महासंघ मिहींपुरवा इकाई
अध्यक्ष सगीर अंसारी ने बताये
सब बच्चों को दिया गया
सही दिशा व बेहतर शिक्षा
परिणाम है, ग्रामीण अंचलों की
प्रतिभा की कोई कमी नहीं
बस जरूरत है सिर्फ उन्हें
नियुक्त करने की।

